नवभारत मेमोरियल फाउन्डेशन

परिचय

नवभारत मेमोरियल फाउन्डेशन स्वर्गीय श्री नरेन्द्र सिंह जी कोठारी को समर्पित वह संस्थान है जहाँ जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक तथा तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है ताकि वे शिक्षित होकर समाज में अपनी एक स्वच्छ छवि बना सके।

स्वर्गीय श्री नरेन्द्र सिंह जी कोठारी का सम्पूर्ण जीवन हमें जीवन में हर विकट परिस्थिति का सामना करने के लिए प्रेरित करता है। इनकी माताजी का बाल्यकाल में ही देहान्त हो गया था तथा इनके पिता भीलवाड़ा में पुलिस में थानेदार के पद पर थे। एक बार डाकुओं ने इनके पिता को समझौता करने के लिए बुलाया तथा वहाँ धोखे से उन्हें जिन्दा जला दिया। इसके पश्चात् छोटे भाई-बहनों की जिम्मेदारी बाल्यकाल में ही श्री नरेन्द्र सिंह जी को उठानी पड़ी। तब उन्होने कठिन परिश्रम करके शिक्षा की ओर रूझान होने के कारण न केवल भाई -बहन को पढाया अपितु स्वयं भी पढते रहे । गणित और अंग्रेजी उनके प्रिय विषय रहे । विज्ञान संकाय के विद्यार्थी होने के बावजूद भी सभी विषयों को सरल एवं सहज तरीके से छात्रों को समझाने की अद्भुद कला के वे धनी थे। 1984 से 1988 तक वे भीनमाल मे अकाल राहत कार्यो में प्रबन्धक के पद पर रहे। इसके बाद 1989 में वे जयपुर आ गए तथा 1989 में इन्होने 2 बच्चो से नवभारत कोचिंग संस्थान की। सन् 1989 से आज तक हजारों बच्चों इस संस्थान से पढ़कर अपने जीवन के चरम को छू चुके है।

स्वर्गीय श्री नरेन्द्र सिंह जी कोठारी ने अपना जीवन शिक्षा का प्रचार -प्रसार करने तथा बच्चों को शिक्षित करने में समर्पित कर दिया। उन्होंने सदैव बच्चों को शिक्षित होने तथा अच्छे संस्कार अपनाने की प्रेरणा दी।

स्वर्गीय श्री नरेन्द्र सिंह जी कोठारी की यादों को शिक्षा जगत् में अक्षुण्य बनाये रखने के लिए ही नवभारत मेमोरियल फाउन्डेशन की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में जरूरतमंद बच्चों को वित्तीय मदद करना तथा सहायता देना है। इसके अतिरिक्त इस संस्थान का उद्देश्य शिक्षा एवं समाज के विभिन्न नवाचारों के लिए कार्य करना है जिससे योग्य एवं जरूरतमंद विद्यार्थी जीवन की नई ऊचाइयों को पा सकें।

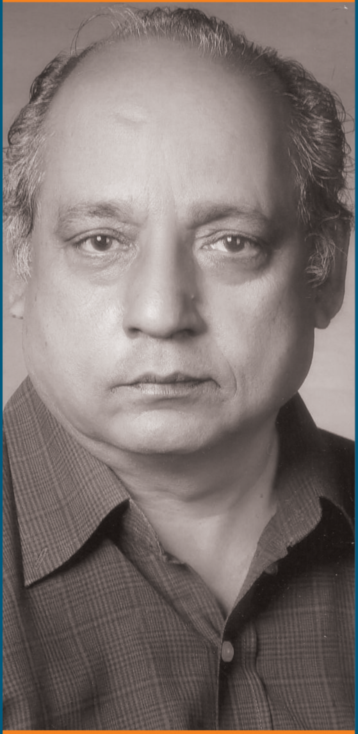

स्व. श्री नरेन्द्र सिंह जी कोठारी

1944
2014